

मिलों की खातिर ♦ नुकसान से बचाने के लिए आयात शुल्क 20% होगा

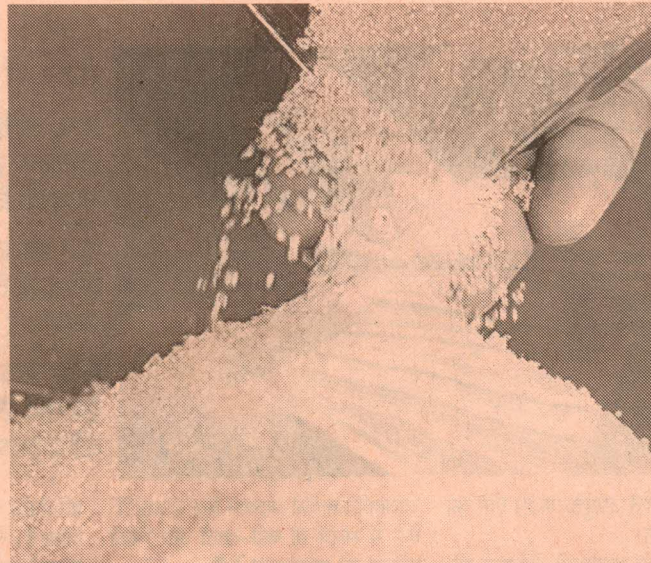
सरकार चीनी पर आयात शुल्क बढ़ाकर दोगुना करने को तैयार

आयात शुल्क बढ़ने पर
राँ शुगर महंगी पड़ेगी
घरेलू बाजार में

आर एस राणा ♦ नई दिल्ली

चीनी के मूल्य में गिरावट से परेशान मिलों को मदद देने के लिए केंद्र सरकार ने चीनी पर आयात शुल्क को बढ़ाकर 20 फीसदी करने की तैयारी की है। मिलों के अनुसार घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता मांग के मुकाबले ज्यादा होने के कारण चीनी के एक्स-फैक्ट्री दाम लागत से भी नीचे आ गए हैं, जिसके कारण उन्हें चीनी बेचने में भारी घाटा उठाना पड़ रहा है।

अधिकारिक सूत्रों के मिली जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार चीनी पर आयात शुल्क को बढ़ाकर 20 फीसदी करने की तैयारी कर रही है जबकि इस समय चीनी पर आयात शुल्क 10 फीसदी है। मिलों के अनुसार उत्तर प्रदेश में चीनी के एक्स-फैक्ट्री भाव घटकर इस समय 3,100 से 3,150 रुपये प्रति क्विंटल रह गए हैं जो लागत से भी काफी कम है। ऐसे में चीनी मिलों को हो रहे घाटे से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने आयात शुल्क बढ़ाकर 20 फीसदी करने का प्रस्ताव तैयार किया है। सूत्रों



के अनुसार चालू पेराई सीजन 2012-13 (अक्टूबर से सितंबर) में अभी तक करीब 9 लाख टन राँ शुगर का आयात हो चुका है जिसमें से करीब 3 लाख टन की खपत घरेलू बाजार में हुई है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने केंद्र सरकार से चीनी पर आयात शुल्क को 10 फीसदी से बढ़ाकर 40 फीसदी करने की मांग की है। इस्मा के अनुसार घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता मांग के मुकाबले ज्यादा है।

ऐसी स्थिति में चीनी का आयात होने से घरेलू बाजार में चीनी की कीमतों पर भारी दबाव बना हुआ है। इस्मा के अनुसार चालू पेराई सीजन 2012-13 में 30 अप्रैल तक 245.2 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है तथा कुल उत्पादन 250 लाख टन होने का अनुमान है।

पेराई सीजन के आरंभ में घरेलू बाजार में चीनी का बकाया स्टॉक भी काफी मात्रा में बचा हुआ था। मालूम

उद्योग का पक्ष

चीनी के एक्स-फैक्ट्री भाव
3,100 से 3,150 रुपये
प्रति क्विंटल

थोक बाजार में भाव चल रहे हैं
3300-3325 रुपये प्रति क्विंटल
मिलें लागत से भी कम दाम पर
चीनी बेचने को मजबूर

मिलों को बचाने के लिए आयात
शुल्क 40 फीसदी करने की मांग

हो कि देश में चीनी की सालाना खपत करीब 220 लाख टन की होती है।

चीनी के एक थोक कारोबारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में चीनी के एक्स-फैक्ट्री भाव घटकर इस समय 3,100-3,150 रुपये प्रति क्विंटल रह गए हैं जबकि दिल्ली के थोक बाजार में इसके दाम घटकर 3,300 से 3,325 रुपये प्रति क्विंटल रह गए हैं। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में राँ-शुगर का भाव करीब 480 डॉलर प्रति टन है जबकि व्हाइट शुगर का भाव 520 डॉलर प्रति टन है। व्हाइट चीनी के आयात पड़ते नहीं लगने के कारण इसका आयात तो नहीं हो रहा है, लेकिन राँ-शुगर का आयात बराबर हो रहा है।

Business Bhaskar

15/6/13

✓ Av -